ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ
Khwaja Moinuddin Chishti Language University, Lucknow
(Uttar Pradesh State Government University)

संख्या : 147/भविवि/कुसका/2023
दिनांक : 31 जनवरी, 2023

आवश्यक सूचना

अवगत हैं कि विश्वविद्यालय का संशोधित कुलगीत तैयार किये जाने की कार्यवाही प्रचलित है इसी क्रम में छात्र/छात्राओं के बीच करायी गयी कुलगीत प्रतियोगिता में प्राप्त कुलगीत की प्रति इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि यदि कुलगीत में कोई विशिष्ट सुझाव हो, तो दिनांक 04 फरवरी, 2023 तक विशिष्ट सुझाव प्रो0 चन्दना डे को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

(अजय कृष्ण यादव)
कुलसचिव।

पृष्ठांकन संख्या एवं दिनांक : उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. प्रो0 चन्दना डे, संयोजक
2. समस्त आचार्य/सह आचार्य/सहायक आचार्य।
3. वेबसाइट एडमिनिस्ट्रेट को इस आश से प्रेषित कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित करने का कष्ट करें।
4. व्यैक्तिक सहायक को मा0 कुलपति जी के सूचनार्थ।

सहायक कुलसचिव।

Add. : - Sitapur-Hardoi Bypass Road, Lucknow-226013 U.P. (India)
website : https://kmclu.ac.in/, e-mail : reg@kmclu.ac.in

Scanned with OKEN Scanner

कुलगीत

भाषाओं का है ये आलय,
भाषा विश्वविद्यालय
ज्ञान दीप्ति चहुंओर फैलाता,
भाषा विश्वविद्यालय
उन्नति के पथ पर ले जाता
भाषा विश्वविद्यालय
तहज़ीबोअदब की ज़मी पर बसा, भाषा विश्वविद्यालय।

लखनऊ अवध की जान, नवाबों की है शान
अदब है जिसकी जुबां पे, नज़ाकत है जिसकी पहचान।
गंगा-जमुनी तहजीब लिए खड़ा, संस्कार हैं इसके नाम
बहती है गोमती यहाँ, और साथ देते है नौजवान ।
ऐसी पावन नगरी में, बसा है भाषाओं का आलय
भाषा विश्वविद्यालय.....(2)

भाषाओं के विविध ज्ञान में, विधि के विविध विधान में
कला और विज्ञान में , नवतकनीक के सन्धान में।
हासिल करके उच्च सफलता, शिक्षा में क्रांति लाएंगे
विश्वविद्यालय के हम गौरव, हर पल बढ़ते जाएंगे ।
ज्ञान ही है सर्वोत्तम पूंजी, ज्ञान का है ये आलय
भाषा विश्वविद्यालय.....(2)

उन्नति के इस पावन युग में,हम चरित्र निर्माण न भूलेंगे
स्वार्थ-साधना की आंधी में, वसुधा-कल्याण न भूलेंगे ।
ज्ञान-पिपासु शिष्यवृंद की , साधना सफल बनाएंगे
आशाओं के पंख लगा , उस गगन को उड़ते जाएंगे।
दृढ़,संकल्प, समर्पण , और त्याग सिखाता आलय
भाषा विश्वविद्यालय.....(2)

दिन-प्रतिदिन उन्नति करें ये, है ये हमारी धरोहर
इंजीनियर, उद्योगपति और , अध्यापक हैं इसकी मोहर।
ऐसे भाषा विश्वविद्यालय का हम , करते है सम्मान
तन-मन-धन से करते हैं हम, शत-शत बार प्रणाम।
ख्वाजाजी की शान बढ़ाता, भाषाओं का आलय
भाषा विश्वविद्यालय.....(2)

- देवेंद्र प्रताप सिंह
छात्र B.Ed. द्वितीय वर्ष

Scanned with OKEN Scanner